Danik Bhaskar 30 August 2012

खेत पाठशाला पहुंचा दूरदर्शन

मित्र कीटों को बचाने की मुहिम को अब देखेगा पूरा देश

भास्कर न्यूज | जुलाना

मित्र कीटों को बचाने के लिए निडाना गांव की धरती से उठी आवाज को अब देश भर सुन व देख सकेगा। किसानों की आवाज को अन्य प्रदेशों के किसानों तक पहुंचाने के लिए दिल्ली दूरदर्शन की टीम ने बुधवार को खेत पाठशाला पहुंचकर अपने कैमरे में कैद किया। टीम ने इस दौरान महिला किसानों के प्रयासों की सराहना की।

किसानों ने बताए अनुभव

दूरदर्शन की टीम बुधवार को कृषि वैज्ञानिक डा. आरएस सांगवान के नेतृत्व में निडाना गांव में चल रही खेत पाठशाला में पहुंची। इस दौरान टीम ने किसानों से सीधे सवाल-जवाब किए। अलेवा से आए किसान जोगेंद्र ने कृषि वैज्ञानिक को अपने अनुभव के बारे में बताया कि वह 1988 से खेतीबाड़ी कर रहा है। उसने इससे जुड़े सारे खर्च का रिकॉर्ड रखना शुरू किया हुआ है।

1988 से लेकर 2011 तक वह अपने खेतों में 70 लाख के पेस्टीसाइड डाल चुका है। लेकिन इस बार उसने निडाना के किसानों के साथ जुड़ने के बाद अपने खेत में रत्ती भर भी कीटनाशक नहीं डाला है और अब वह खुद भी कीटों की पहचान करना सीख रहा है। निडानी के किसान जयभगवान ने बताया कि वह 14 वर्ष की उम्र से ही खेती कर रहा है।

उसने बताया कि वह हर वर्ष 80 हजार रुपए दवाइयों पर खर्च करता था, लेकिन पिछले दो वर्षों से इस मुहिम से जुड़ने के बाद कीटनाशकों का प्रयोग बंद कर दिया है। इस मौके पर कृषि वैज्ञानिक डा. आरएस सांगवान ने किसानों द्वारा शुरू किए गए काम की सराहना की।

जुलाना. निडाना गांव में खेत पाठशाला में कृषि वैज्ञानिक आरएस सांगवान किसानों से बातचीत करते हुए।